हंसराज मोरारजी पब्लिक स्कूल व ज्यूनियर कॉलेज

अंधेरी (प)

मुंबई पश्चिम उपनगर

मेरा नवोपक्रम २०२१-२२

“आनंददायी अनुभवों द्वारा भाषिक कौशल्य विकास”

नवोपक्रम कर्ता - डॉ. उमा महेश ढेरे - स.शिक्षिका

स्पर्धक की जानकारी

१)	स्पर्धक का पुरा नाम	:	डॉ. उमा महेश ढेरे
२)	भ्रमणध्वनि	:	९८६७०४८६७९ / ९७०२७९७३५७
३)	E-mail ID	:	umadhere@gmail.com
४)	निवासी पता	:	हंसराज मोरारजी पब्लिक स्कूल स्टाफ क्वाटर ६/ए, मुन्शी नगर, भवन्स कॉलेज जवळ, अंधेरी (प), मुंबई - ४०००५८
५)	जन्मतिथी	:	२३ मई १९७४
६)	शैक्षिक अर्हता	:	Ph. D, M.A., B.Ed., B.A.
७)	कुल सेवा	:	२४ वर्ष
११)	नवोपक्रम विषय	:	उपयोजित लेखन (वृतांत लेखन)
१२)	नवोपक्रम शिर्षक	:	"आनंददायी अनुभवों द्वारा भाषिक कौशल्य विकास"

फोटो

प्रतिज्ञा पत्र

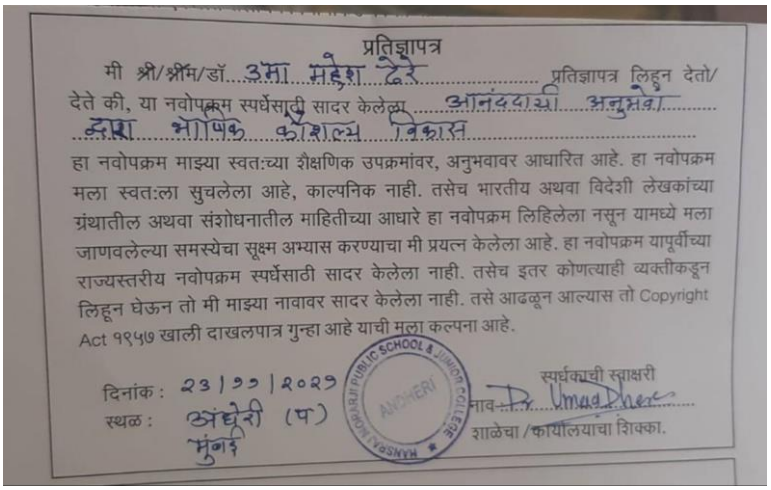

प्रतिज्ञापत्र

मी श्री/श्रीम/डॉ उमा महेश ढेरे प्रतिज्ञापत्र लिहून देतो/देते की, या नवोपक्रम स्पर्धेसाठी सादर केलेला आनंददायी अनुभवां द्वारा भाषिक कौशल्य विकास

हा नवोपक्रम माझ्या स्वतःच्या शैक्षणिक उपक्रमांवर, अनुभवावर आधारित आहे. हा नवोपक्रम मला स्वतःला सुचलेला आहे, काल्पनिक नाही. तसेच भारतीय अथवा विदेशी लेखकांच्या ग्रंथातील अथवा संशोधनातील माहितीच्या आधारे हा नवोपक्रम लिहिलेला नसून यामध्ये मला जाणवलेल्या समस्येचा सूक्ष्म अभ्यास करण्याचा मी प्रयत्न केलेला आहे. हा नवोपक्रम यापूर्वीच्या राज्यस्तरीय नवोपक्रम स्पर्धेसाठी सादर केलेला नाही. तसेच इतर कोणत्याही व्यक्तीकडून लिहून घेऊन तो मी माझ्या नावावर सादर केलेला नाही. तसे आढळून आल्यास तो Copyright Act १९५७ खाली दाखलपात्र गुन्हा आहे याची मला कल्पना आहे.

दिनांक : २३/११/२०२१

स्थळ : अंधेरी (प) मुंबई

स्पर्धकाची स्वाक्षरी

नाव Dr. Uma Dhere

शाळेचा / कार्यालयाचा शिक्का.

HANSRAJ MORARJI PUBLIC SCHOOL & JUNIOR COLLEGE ANDHERI

प्रमाण पत्र

प्रमाणपत्र

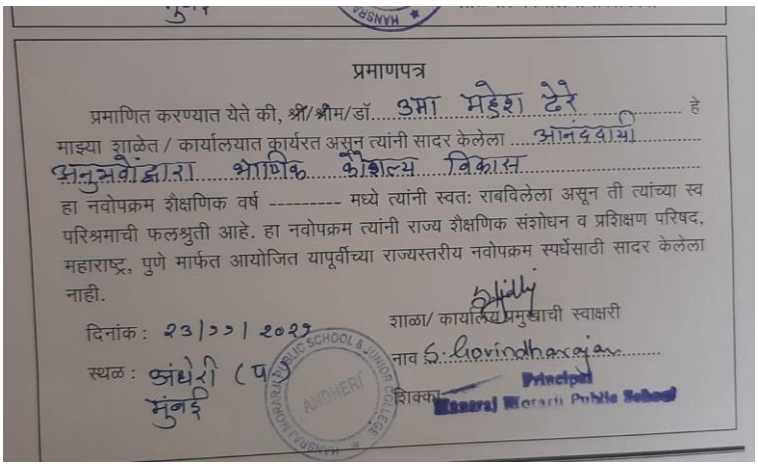

प्रमाणित करण्यात येते की, श्री/श्रीम/डॉ उमा महेश ढेरे हे माझ्या शाळेत / कार्यालयात कार्यरत असून त्यांनी सादर केलेला आनंददायी अनुभवांद्वारा भाषिक कौशल्य विकास

हा नवोपक्रम शैक्षणिक वर्ष --------- मध्ये त्यांनी स्वत: राबविलेला असून ती त्यांच्या स्व परिश्रमाची फलश्रुती आहे. हा नवोपक्रम त्यांनी राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद, महाराष्ट्र, पुणे मार्फत आयोजित यापूर्वीच्या राज्यस्तरीय नवोपक्रम स्पर्धेसाठी सादर केलेला नाही.

दिनांक : २३/११/२०२१

स्थळ : अंधेरी (प) मुंबई

शाळा/ कार्यालय प्रमुखाची स्वाक्षरी

नाव S. Govindharajan

शिक्का Principal Hansraj Morarji Public School

HANSRAJ MORARJI PUBLIC SCHOOL & JUNIOR COLLEGE ANDHERI

अनुक्रमणिका	
अ.क्र.	**विषय**
१.	प्रस्तावना
२.	नवोपक्रम की आवश्यकता एवं महत्त्व
३.	नवोपक्रम के उद्देश्य
४.	नवोपक्रम की विशेषताएँ
५.	नवोपक्रम का नियोजन
६.	नवोपक्रम की नवीनता / नयापन
७.	नवोपक्रम की समय तालिका
८.	नवोपक्रम की कार्यवाही
९.	नवोपक्रम की सफलता
१०.	समापन
११.	संदर्भ ग्रंथ
१२.	परिशिष्ट्य

नवोपक्रम की आवश्यकता एवं महत्त्व :

कोरोना-१९ इस वैश्विक महामारी से पूरा संसार भयभीत हुआ था, देश की सभी व्यवस्थाएँ टूट गई थी। फिर शिक्षा क्षेत्र इस समस्या से कैसे अछूता रहता भला? शिक्षक एक बुद्धीजीवी प्राणी है, उसने इस चुनौती को स्वीकार किया।

हमारे देश के शिक्षक एवं शिक्षार्थी ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली से दूर थे। शिक्षकों ने कोरोना महामारी का सामना कर, मोबाईल, संगणक, अन्य सामाजिक संपर्क माध्यमों को अपनाकर ऑनलाइन अध्ययन-अध्यापन शुरु किया। विभिन्न तकनीकी जानकारी हासिल की, Video's, P.P.T. बनाकर भाषा शिक्षा प्रक्रिया सरल-सुलभ कर ऑनलाइन शिक्षा कार्य सफलतापूर्वक जारी रखा।

ऑनलाइन माध्यम से वृतांत लेखन की संकल्पना का परिचय तथा दृढ़ीकरण।

१६ मार्च २०२० से शिक्षण प्रक्रिया और अध्ययन अध्यापन पद्धति की मूलभूत संकल्पनाओं में बहुत अधिक परिवर्तन हो गया। निरंतर शिक्षण प्रक्रिया को जारी रखना एक चुनौती के रूप में

उभर आया। प्रत्यक्ष अध्ययन अध्यापन न होने के कारण शिक्षार्थियों के साथ आंतरक्रिया द्वारा अध्यापन करना मुश्किल हो गया। भाषा के प्रति शिक्षार्थियों के रूझान को बनाए रखना और नित नए उपक्रमों द्वारा उनके उत्साह को बरकरार रखने और भाषिक क्षमताओं के विकास के लिए सभी शिक्षकों ने अपने-अपने तरीके से प्रयत्न किए। मैंने उपयोजित लेखन का एक घटक "वृत्तांत लेखन" को नवोपक्रम का विषय चुना।

वर्ष २०२१ की कक्षा ९ वीं एवं कक्षा १० वीं की द्वितीय सत्र परीक्षा के उत्तर पत्रिका को जाँचते समय यह बात ध्यान में आई कि उपयोजित लेखन विभाग में शिक्षार्थी कमजोर है। मुख्य रूप से 'वृत्तांत लेखन' इस घटक में मुद्दों का क्रम सही नहीं था, कुछ मुद्दे अनुपस्थित थे। उपयोजित लेखन यह प्रश्न, प्रश्नपत्र में २६ अंकों का रहता है और अगर किसी शिक्षार्थी को भविष्य में पत्रकारिता को अपना करीयर चुनना है तो इसमें प्रवीणता हासिल करनी ही चाहिए।

इसलिए मैंने ऑनलाइन के माध्यम से 'वृत्तांत लेखन' की संकल्पना का दृढ़ीकरण करना चाहा।

नवोपक्रम के उद्देश्य

1. वृत्तांत लेखन के अभ्यास का शिक्षार्थियों को महत्त्व बताकर भविष्य में होने वाले लाभों से परिचित कराना।
2. नॅशनल शिक्षा प्रणाली २०२०-२१ में बौद्धिक विकास करना एक उद्देश्य है, उसी के अंतर्गत मेरे नवोपक्रम के माध्यम से शिक्षार्थियों में विचार करने की जैसे महत्त्वपूर्ण सोच (critical thinking), विश्लेषणात्मक विचार (analytical thinking) पृथक्करण करना और सृजनशील विचार करने की प्रवृत्ती बढ़ाना।
3. लॉकडाउन के काल में भी भाषा अध्ययन की रूचि को बढ़ाना।
4. कोरोना काल में भी भाषा शिक्षण के माध्यम से निरंतर संपर्क बनाए रखना।
5. वृत्तांत लेखन का उपयोग कर अपने भाषिक कौशल्यों को विकसित करना।
6. वृत्तांत लेखन के मुद्दों के क्रम को आत्मसात करवाना।
7. विभिन्न कृतियों और खेलों द्वारा आनंददायी और रूचिपूर्ण तरीके से वृत्तांत लेखन के महत्त्व को समझाना।
8. विभिन्न कृतियों द्वारा वृत्तांत लेखन का मूल्यांकन करना और उचित सुधार करना।

वृत्तांत लेखन की विशेषताएँ :

१) वृत्तांत लेखन की भाषा सहज सरल होनी चाहिए।

२) लेखन पक्षपात विहिन या तटस्थ होना चाहिए।

३) लेखन क्रमानुसार होना चाहिए - स्थल, दिनांक, समय।

४) वाक्य छोटे और प्रभावी होने चाहिए।

५) भाषा ग्राह्य होनी चाहिए।

६) लेखन भूतकाल में होना आवश्यक है।

७) लेखन में स्वयं के विचारों को कोई स्थान न हो।

८) लेखन की भाषा भ्रमित करने वाली न हो।

नवोपक्रम का नियोजन

मार्च के पश्चात लॉकडाउन होने पर जून के दूसरे सप्ताह तक विद्यालय प्रारंभ होने के कोई लक्षण दिखाई नहीं पड़ रहे थे। आवागमन की सभी सुविधाएँ ठप्प थीं। समाचार पत्र नहीं मिल रहे थे। सब कुछ जैसे थम सा गया था। उस समय बच्चों के शिक्षण के लिए पर्याय ढूँढा जाने लगा। क्या किया जाए? कैसे किया जाए? इस पर चिंतन प्रारंभ हुआ।

हिंदी विषय वैसे तो मेरा अपना विषय है पर फिर भी विद्यार्थियों में भाषा रूचि को बनाए रखने और विकसित करने के लिए ऐसे लोगों की आवश्यकता थी जो भाषा और तकनीक दोनों में प्रवीणता रखते हों और सरलता से सहयोग को तैयार हों पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक एवं प्रत्येक पाठ के पश्चात दी गई कृतियों का निरीक्षण कर उपयोजित लेखन का चुनाव शोधकार्य हेतु किया। उपयोजित लेखन भाषा का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। इस लेखन के अभ्यास से विद्यार्थी के न सिर्फ लेखन पर बल्कि उनके चिंतन की प्रक्रिया में भी सुधार होगा। साथ ही उनके दृष्टिकोण में भी एक निरंतरता और स्पष्टता आ जाएगीं।

उपयोजित लेखन के एक मुद्दे - वृत्तांत लेखन को साध्य करने का उद्देश्य लेकर विभिन्न विषयों, वृत्तांत लेखन के क्रमानुसार मुद्दे, शैक्षणिक साधन मूल्यांकन साधन, अभ्यास साधन आदि की तैयारी प्रारंभ की।

वृत्तांत लेखन उपयोजित लेखन का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। वृत्तांत लेखन संपन्न हो चुके कार्यक्रमों अथवा घटित हो चुकी घटनाओंके आधार पर लिखा जाता है।

वृत्तांत लेखन के कई प्रकार हो सकते हैं जैसे साहित्यिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, खेल समारोहों, राजनितिक, फिल्मी समाराहों, दुर्घटनाओं का वृत्तांत लेखन आदि। समाचार पत्र इसी वृत्तांत लेखन का सबसे प्रारंभिक समय योजनाएँ बनाने में चला गया। विद्यार्थी जब तक प्रत्यक्ष रूप से शिक्षक के संपर्क में नहीं होते तब तक शिक्षक के लिए, शिक्षण प्रक्रिया को अनुशासित करना इतना आसान नहीं होता। उस पर से सारा अध्ययन अध्यापन मोबाइल और लॅपटोप के माध्यम से करना और विद्यार्थी के अवधान को अधिक समय तक बनाए रखना। यह सभी समस्याएँ आँखों के आगे नृत्य करने लगी। सबसे पहले उपयोजित लेखन के विभिन्न मुद्दों, उनके उद्देश्यों, उपयोजन और परिणाम का निश्चितीकरण किया। उसके पश्चात विभिन्न शैक्षणिक साधनों, विडियो, Youtube, google document की सहायता से नवोपक्रम का प्रारंभ किया।

नवोपक्रम की नवीनता / नयापन :

१) "आनंददायी अनुभवों द्वारा भाषिक कौशल्य विकास" इस नवोपक्रम का उपयोजित लेखन का कोरोना काल में पहली बार प्रयोग किया गया।

२) लॉककडाउन के समय भाषा-उपयोजित लेखन विभाग शिक्षार्थी की रूची बनी रहे और बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त हो इसलिए ऑनलाइन तकनीक का माध्यम अपना कर शिक्षार्थियो को उपयोजित लेखन की जानकारी, अभ्यास और प्रवीणता देने का प्रयास किया गया।

३) विभिन्न खेलों और कृतियों के माध्यम से शिक्षार्थी उपयोजित लेखन का एक घटक 'वृत्तांत लेखन' सिखाया गया। जिससे इस विषय के प्रति शिक्षार्थी जागृत हो और उनमें एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड लग गई।

४) इन प्रयोगों के या नवोपक्रम के कारण शिक्षार्थियों को स्वयं अध्ययन एवं कृति संशोधन के लिए प्रेरणा मिली, क्योंकि अधिकतर तर खेल शिक्षार्थियों द्वारा सुझाए गए।

५) इस नवोपक्रम से शिक्षार्थी कॅमेरा बंद करके बैठता था। वह कॅमेरा ऑन कर खेलो, कृतियों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने लगा।

६) शिक्षार्थियों का भाषिक कौशल्य वाचन, श्रवण, चर्चा करना, आकलन, उपयोजन, विश्लेषण करना का सहजता से विकास होने लगा। गुणवत्ता बढने लगी।

नवोपक्रम की समय तालिका

अ.क्र.	माह	घटक
१.	जुलाई	१) वृत्तांत लेखन की आवश्यकता एवं वैशिष्ट्य
२.	अगस्त	१) पत्रकार से साक्षात्कार २) वृत्तांत लेखन की विधी ३) वृत्तांत लेखन का वाचन
३.	सितंबर	१) विविध घटना समारोह विषय देकर प्रत्यक्ष वृत्तात लेखन २) सुधार (गलतियो) ३) पुन: वृत्तांत लेखन पठन और पुन: सुधारीत वृत्तांत लेखन (खेलो, कृतियों द्वारा दृढीकरण) ४) मूल्यांकन

शैक्षिक साहित्य

१) चलचित्र Video

२) P.P.T.

३) क्रमवार सीढ़ी

४) विभिन्न खेल

५) जीवनक्रम

६) पत्रकार से साक्षात्कार

नवोपक्रम की कार्यवाही

वर्ष २०१९-२० में कक्षा ९ वीं एवं १० वी के हिंदी विषय के उत्तर पत्र जाँचते हुए ज्ञात हुआ की विभिन्न शैक्षिक साहित्य के उपयोग से विद्यार्थियों ने व्याकरण विभाग अच्छे उत्तर लिखे थे लेकिन उपयोजित लेखन में जो प्रश्न २६ अंको का होता है उसमें कमजोर दिखाई दिए। वृत्तांत लेखन में मुद्दों के क्रमों की अनुपस्थिती थी (अभाव), मुद्दे गलत क्रम से लगाए गए थे। लॉकडाउन की स्थिति बनी थी यह साल भी ऑनलाइन शिक्षा प्रक्रिया अध्ययन (अध्यापन) थी। नियोजन किया तंत्र स्नेही / ज्ञानी शिक्षार्थी, शिक्षक बंधुओंसे चर्चा की और नवोपक्रम की शुरुआत बड़े उत्साह से की।

१) जून के तीसरे सप्ताह में शिक्षार्थियों को ई-समाचार पत्र Internet की सहायता से मौजुद या उपलब्ध वृत्तों का संग्रह कर कापी में चिपकाने के लिए कहा।

२) अगली तासिका में उनमें कुछ वृत्तों का या मुखर और मौन वाचन करवाया।

३) प्रश्न पुछकर वृत्तांत लेखन के क्रम निश्चित किया। सही क्रम लगवाया और शिक्षार्थियों से सही क्रम लिखवाया।

४) पत्रकार उदय नरे, श्रीमती निशा से एक दिन Zoom के माध्यम के शिक्षार्थियों का साक्षात्कार करवाया - जिनमें शिक्षार्थियों उन्हे प्रश्न पुछे पत्रकारोनों - वृत्तांत लेखन का रोजगार के रूप में अपनाकर अर्थाजन का एक माध्यम बताया और शिक्षार्थियों के मन में 'वृत्तांत लेखन' के प्रति जिज्ञासा निर्माण की और अध्यापन का कार्य सुलभ हो गया।

फिर क्या था, जोश से शिक्षार्थी लेखन कार्य करने लगे।

५) वृत्तांत लेखन ने मुद्दों क्रमों की सीढ़ी दिखाकर फिर से पुन: अभ्यास किया।

६) शिक्षार्थियों को विविध समारोह के विषय देकर अपनी पसंद का पर्याय चुनकर (विषय) वृत्तांत लिखने के लिए कहा गया।

७) अगली तासिका में फिर कुछ वृत्तांत लेखनों का पठन कर, गलतियाँ सुधार ली।

खेल १ :

उपस्थिति क्रम के अनुसार शिक्षार्थियों का १२ की संख्या का गुट ऐसे चार गुट एक कक्षा में बनाए। गुट प्रमुख ने अपने गुट में प्रत्येक शिक्षार्थियों को वृत्तांत लेखन का एक मुद्दा क्रम के अनुसार दिया। खेल के नियम बताये जैसे की शिक्षक क्रम का उच्चारण करती प्रत्येक गुट में से उस क्रम का मुद्दों के नाम के फलक के साथ शिक्षार्थी हाथ उपर करेगा। जिस गुट में मुद्दे का क्रम गलत बताया उस गुट को अंक नहीं दिए गए। इस प्रकार अधिक अंक प्राप्त गुट विजयी घोषित किया गया।

खेल २ :

उचित जोडियाँ मिलाओ।

क्रम	**वृत्तांत लेखन के मुद्दे**
१	अतिथि संदेश
२	स्थल
३	अतिथि स्वागत
४	धन्यवाद प्रस्तूती
५	घटना
६	समारोह
७	समापन
८	तिथी और समय

खेल ३ :

शिक्षार्थियों के चार गुट बनाकर दिए गए विषयो में से एक-एक विषय चुनकर गुट के सभी सह- शिक्षार्थी द्वारा मिलकर एक अच्छा त्रुटि हीन 'वृत्तांत लेखन' लिखना। जहाँ शिक्षार्थियोंने गुट में मिलकर काम किया त्रुटि रहीत काम किया।

अक्टूबर माह में हुई, प्रथम सत्र परिक्षा के उत्तर पत्र जाँचते समय आश्चर्य हुआ शिक्षार्थियों ने आदर्श 'वृत्तांत लेखन' किया था। वर्तनी की गलतियाँ थोड़ी पाई गई लेकिन उनका आत्मविश्वास एवं लेखन कौशल्य देख प्रसन्नता हुई।

खेल ४ :

मनुष्य के जीवन अवस्थाएँ बताकर उन्हें वृतांत लेखन के मुद्दो का नाम दिया और प्रश्न पुछे।

नवोपक्रम की सफलता :

जुलाई से अक्टूबर कालांतर में इस नवोपक्रम में करीब २०० शिक्षार्थियों को शामिल किया गया।

कार्यक्रम के अंत में अक्टूबर महिने में हुई प्रथम सत्र परीक्षा के उत्तर पत्र जाँचते हुए शिक्षार्थियों द्वारा लिखे वृत्तांत लेखन काफी संतोषपूर्ण रहें। शिक्षार्थियों का प्रयास बहुत सराहनीय रहा। शिक्षार्थियों ने त्रुटि हीन 'वृत्तांत लेखन' लिखा था। उनमें केवल वर्तनी की कुछ गलतियों पाई गई। सभी मुद्दों क्रम भाषा का प्रयोग व्यवस्थित रूप से किया था। लेखन कौशल्य में थोड़ी कमजोरी पाई गई। यह पूरा कार्यक्रम ऑनलाइन होने के कारण वर्तनी की गलतियाँ स्वाभाविक रूप से पाई गई; लेकिन वृत्तांत लेखन में अपेक्षित क्षमताएँ प्राप्त की थी।

मैंने इस नवोपक्रम की गाथा अपने दूसरे भाषा शिक्षकों (अन्य विद्यालयों) के साथ साँझा की। उनके विद्यालय शिक्षार्थियों को भी मैंने ऑनलाइन मार्गदर्शन दिया।

शिक्षार्थियों का सहयोग, उनके आत्मविश्वास में हुई वृद्धी, लेखन कौशल्य, मेरे शिक्षक बंधुओंका सहयोग एवं प्रतिसाद अन्य विद्यालयों के प्रधानाचार्य के धन्यवाद पर पत्र एवं संदेश ही मेरे इस "आनंददायी अनुभवों द्वारा भाषिक कौशल्य विकास" नवोपक्रम की सफलता का प्रमाण है। ऐसा मुझे लगता है।

१) ऑनलाइन लेखन कौशल्य विकास हुआ।

२) शिक्षार्थी कृतिशील हुए।

३) लेखन कार्य करने में शिक्षार्थियों की रूची बढ़ी।

४) शिक्षार्थी स्वयं नए खेल, कृतियों तैयार करने लगा।

५) शिक्षार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ा।

६) ऑनलाइन शिक्षा में शिक्षार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई।

७) भाषीक कौशल्य, श्रवण, वाचन, लेखन, चर्चा करना, विचार करना, आकलन करना आदि का विकास।

समापन :

शिक्षार्थियों को सरल, सुलभ एवं आनंददायी कृतियों से उपयोजित लेखन का एक घटक 'वृत्तांत लेखन' यह घटक "आनंददायी अनुभवों द्वारा भाषिक कौशल्य विकास"इस नवोपक्रम के ९ वीं १० वीं के शिक्षार्थियों के लिए सफल रहा। इस नवोपक्रम को सफलता से पूर्ण करने के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन करनेवाले व्यक्तियों के प्रति कृतज्ञता भावना प्रकट करने की यह एक छोटी-सी कोशिश है।

इस नवोपक्रम के लिए प्रेरित करनेवाली भूतपूर्व विभागीय सचिव महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल की श्रीमती बसंती रॉयजी महोदया को हृदय धन्यवाद। इनके साथ महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती एवं अभ्यासक्रम संशोधन मंडल, पुणे की हिंदी भाषा विशेषाधिकारी माननीय डॉ. अल्का पोतदार महोदया हमेशा मेरा मार्गदर्शन किया। मेरी तारीफ कर, हमेशा प्रोत्साहित करनेवाले हंसराज मोरारजी पब्लिक स्कूल के मुख्याध्यापक श्री. गोविंद श्रीनिवास सर, हमेशा सहायता करनेवाले पर्यवेशक श्री. उदय नरे सर, इस नवोपक्रम में मेरी सहायता करने वाले सौ. संगीता संभाजी सावंत मॅडम (स. शिक्षिका नवभारत हायस्कूल, शिवणे, पुणे) श्रीमती भारती संजीव श्रीवास्तव (म.न.पा. शाला उन्नत नगर, गोरेगाव), श्रीमती सोनल वर्तक (स.शिक्षक, सेंट ब्लेस स्कूल अंधेरी प) इन्हे भी मैं हृदय से धन्यवाद देती हूँ।

मेरे विद्यालय हंसराज मोरारजी पब्लिक स्कूल, बॉम्बे केंम्ब्रीज स्कूल, अंधेरी (प), एस.सी.डी. बर्फीवाला स्कूल, अंधेरी (प), चिल्ड्रन वेल्फेअर स्कूल, अंधेरी (प), एवं आय.इ.एस. स्कूल, डोबिंबली विद्यालय के प्रधानाचार्य, भाषा शिक्षक एवं मेरे प्रिय शिक्षार्थियों का बहुत-बहुत धन्यवाद। इन सभी की सहकारिता एवं प्रतिसाद के बगैर यह नवोपक्रम अधूरा रहता।

संदर्भ ग्रंथ

अ.क.	**पुस्तक का नाम**	**लेखक**
१.	हिंदी निबंध	योगेश चंद जैन
२.	सरल हिंदी निबंध	शैलेंद्र पचौरी
३.	आधुनिक हिंदी निबंध अनुच्छेद तथा पत्र लेखन	हेमंत कुरेती
४.	हिंदी निबंध	हिंदी अध्यापक मंडळ

वृत्तांत लेखन

Q) लोकमान्य टिळक कन्या विद्यालय, अकोला मे आयोजित 'हिंदी-दिवस समारो के वृतांत का प्रारूप तैयार करे

उत्तर : लोकमान्य कन्या विद्यालय
में हिंदी-दिवस समारोह

अकोला, दि. १४ सितंबर, २०१९। आज प्रात:काल १० बजे स्थानीय लोकमान्य टिळक कन्या विद्यालय मे छात्राओं और अध्यापिकाओं द्वारा हिंदी-दिवस समारोह मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता अकोला आर्ट्स कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनव परब ने की।

स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ १ बजे हुआ। सर्वप्रथम विद्यालय की मुख्याध्यापिका ने माननीय अध्यक्ष महोदय का परिचय दिया और अपने विद्यालय की हिंदी-संबंधी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। मुख्याध्यापिका के निवेदन पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने हिंदी परीक्षाओं में प्रथम तथा द्वितीय आने छात्राओं को पुरस्कार दिए।

डॉ. परब ने हिंदी भाषा के अध्ययन में विशेष रुचि लेने वाली छात्राओं का सम्मान करते हुए उन्हें बधाई दी। इसके बाद उन्होंने हिंदी भाषा के महत्त्व पर भाषण दिया विद्यालय की मुख्याध्यापिका और हिंदी की अध्यापिका ने भी छात्राओं को हिंदी का महत्त्व समझाया। इसके बाद छात्राओं द्वारा एक नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की गई।

अंत में विद्यार्थी-परिषद की मंत्री कु. सुरेखा पाटील ने माननीय अध्यक्ष महोदय मुख्याध्यापिका और अध्यापिकाओं के प्रति आभार प्रकट किया। राष्ट्रगान के साथ यह शानदार समारो दोपहर १२ बजे समाप्त हुआ

- Yamin pathan
1240
8-A

Name - Jash Vasu School: Hansraj Morarji Public School
Roll No - 1675
Std - XC

23-11-21

वृत्तांत लेखन

• अपने परिसर में संपन्न 'नेत्र चिकित्सा शिविर' का आकर्षक वृत्तांत लिखिए।

उत्तर मुंबई। प्रगति संस्था ने २२ दिसंबर २०२० को गोवर्धन सोसायटी के सभागृह में नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने शामिल होकर कार्यक्रम का लाभ उठाया। सुबह आठ बजे संस्था के कार्यकर्ताओं ने शिविर में एकत्रित होकर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रूपक अस्पताल के नेत्र चिकित्सक रमाकांत शर्मा भी उपस्थित थे। संस्था के उपाध्यक्ष गौरीशंकर उपाध्याय ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया व पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

पाँच अनुभवी नेत्र चिकित्सकों व उनके सहयोगियों ने लोगों के नेत्र ~~चिकित्सकों~~ जाँचने का कार्य शुरू किया। पहले काउंटर पर फार्म भरने की व्यवस्था की गई थी। दूसरे काउंटर पर मरीजों के नेत्र चिकित्सा हेतु मशीनें लगाई गई थी। एक-एक करके सभी लोगों ने अपने नेत्रों की जाँच कराई और इस कार्यक्रम का लाभ उठाया। वहाँ आए सभी लोगों ने संस्था के इस महान कार्य की प्रशंसा की।

संस्था के अध्यक्ष भीम जोशी ने अतिथि महोदय, सभी चिकित्सकों व उनके सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट किया तथा उन्हें गणेश भगवान की मूर्ति भेंट स्वरूप दी। वहाँ उपस्थित लोगों ने भी संस्था के कार्यकर्ताओं को इस नेक कार्य के लिए धन्यवाद दिया। इस तरह कार्यक्रम शाम पाँच बजे सफलतापूर्वक संपन्न हो गया।

ame: Anushree.K.Reddy
td/Div: 10 A
oll no: 1278
CHOOl: Hansraj. Morarji. Public. School.

• वृत्तांत लेखन •

हंसराज मोरारजी अंधेरी

~ ~~सरस्वती~~ विद्यालय, ~~कांदिवली~~ मुंबई में आयोजित शिक्षक दिन समारोह का रोचक वृत्तांत लिखिए।

हंसराज मोरारजी

~~सरस्वती~~ विद्यालय में शिक्षक

दिन का शानदार समारोह

अंधेरी (कार्यालय- प्रतिनिधी द्वारा)

~~कांदिवली~~, मुंबई के ~~सरस्वती~~ हंसराज विद्यालय में ९ दिसंबर का दिन डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण का जन्मदिन शिक्षक दिन के रूप में मनाया था। उस दिन दसवीं कक्षा के कुछ होनहार विद्यार्थियों ने शिक्षक से लेकर चपरासी तक की भूमिकाएँ विद्यार्थियों ने निभाई।

सुबह ठीक १०:०० बजे विद्यालय के सभागृह में शिक्षक दिन का समारोह प्रारंभ हुआ। इस समारोह की अध्यक्षता पूर्व शिक्षा मंत्री अमरीश पटेल जी ने की। सरस्वती वंदना के बाद विद्यालय के मुख्याध्यापक ने अध्यक्ष महोदय का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। समारोह के संचालक विनय जी ने अध्यक्ष महोदय का संक्षिप्त परिचय दिया। इसके बाद अध्यक्ष जी ने डॉ राधाकृष्ण की तस्वीर को पुष्पमाला पहनाई। इसके बाद अध्यक्ष महोदय व अन्य वक्ताओं ने शिक्षक की महत्व और कर्तव्य पर प्रकाश डाला। विद्यालय के कुछ विद्यार्थियों ने "गुरु-महिमा" नामक एक एकांकी की प्रस्तुत की अंत में सभी विद्यार्थियों की ओर से प्रत्येक शिक्षक को पुष्पगुच्छ और एक तोफा भेंट किया गया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री प्रकाश पांचाल जी ने अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। राष्ट्रगीत के साथ समारोह समाप्त हुआ।

x – x

Hammad Ali Khan
X C 856
Hansraj Morarji Public School.

वृत्तांत - लेखन

हिंदी दिवस : शानदार समारोह

मुंबई, १५ सितंबर, २०२१ : ज्ञानदीप विद्यामंदिर में १४ सितंबर के दिन 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया गया। पाठशाला के सभागृह में प्रार्थना सभा का आयोजन सुबह आठ बजे किया गया। प्रार्थना सभा हिंदी में ही आयोजित की गई। हिंदी विभागाध्यक्ष राजेश तिवारी जी ने 'हिंदी भाषा की दशा व दिशा' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कक्षा आठवीं के छात्रों ने हिंदी भाषा में गीत प्रस्तुत किया। कक्षा दसवीं के छात्रों ने 'हिंदी : भारत की कड़ी' नामक एक लघु नाटिका प्रस्तुत की। इस दिन विद्यामंदिर के प्रधानाचार्य, सभी अध्यापक, कर्मचारी तथा छात्र गणों ने आपस में हिंदी में वार्तालाप किया। ~~विभागाध्यक्ष ने~~ कक्षा दसवीं के एक छात्रा ने अपने प्रभावपूर्ण भाषण में सभी छात्रों को भविष्य के लिए हार्दिक बधाई देते हुए सभी का धन्यवाद किया। अंत में राष्ट्रगीत गाकर कार्यक्रम संपूर्ण हुआ। इस प्रकार सुबह ११ बजे कार्यक्रम का समापन हुआ।

Name: Jalaal Javed Deshmukh
Std: X C
Roll No: 802
School: Hansraj Morarji Public School

वृत्तांत लेखन

हंसराज मोरारजी पब्लिक स्कूल अॅण्ड ज्युनियर कॉलेज में शिक्षक दिन का शानदार समारोह
(कार्यालय - प्रतिनिधी द्वारा)
मुंबई; ६ सितंबर २०२१

मुंबई, ५ सितंबर, २०२१ यहाँ के हंसराज मोरारजी पब्लिक स्कूल में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् का जन्म दिवस 'शिक्षक दिन' के रूप में मनाया गया।

पाठशाला के सभागृह में शिक्षक-दिन समारोह का आयोजन सुबह दस बजे हुआ। इस समारोह के अध्यक्षता जय हिंद कॉलेज के प्राचार्य जी श्री चतुर्वेदी ने की। सभागृह को पिले और सफेद फूलों तथा रोशनी से सजाया गया था। सरस्वती वंदना के बाद विद्यालय के उप प्राचार्य जी पांडे जी ने पुष्पगुच्छ देकर अध्यक्ष महोदय का स्वागत करते हुए उनका संक्षिप्त परिचय दिया।

इसके बाद चतुर्वेदीजी ने मंच पर रखे डॉ. राधाकृष्णन् के चित्र को पुष्पहार पहनाया। तत्पश्चात, अध्यक्ष महोदय, आचार्य महोदय तथा अन्य व्यक्तियों ने शिक्षक की महिमा और कर्तव्य पर प्रकाश डाला। पाठशाला के छात्रों ने 'गुरु महिमा' नामक एक लघु नाटिका प्रस्तुत की।

विद्यार्थियों की ओर से प्रत्येक शिक्षक को पुष्पगुच्छ एक शाल तथा श्रीफल भेंट किया गया। निरीक्षक श्री सत्यदेव दुबे ने अध्यक्ष महोदय एवं आमंत्रीत लोगों के प्रती तोग आभार प्रकट किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

Name: Anushree K. Reddy
Std/Div: 10 A
Roll no: 1278
SCHOOL: Hansraj Morarji Public School

• वृत्तांत लेखन •

हंसराज मोरारजी अंधेरी

~ ~~सरस्वती~~ विद्यालय, ~~कांदिवली~~ मुंबई में आयोजित 'शिक्षक दिन' समारोह का रोचक वृत्तांत लिखिए।

हंसराज मोरारजी
~~सरस्वती~~ विद्यालय में शिक्षक
दिन का शानदार समारोह

अंधेरी (कार्यालय-प्रतिनिधि द्वारा)

कांदिवली, मुंबई के ~~सरस्वती~~ हंसराज विद्यालय में ५ सितंबर का दिन डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन 'शिक्षक दिन' के रूप में मनाया था। इस दिन दसवीं कक्षा के कुछ होनहार विद्यार्थियों ने शिक्षक से लेकर चपरासी तक की भूमिकाएँ विद्यार्थियों ने निभाई।

सुबह ठीक १०:०० बजे विद्यालय के सभागृह में शिक्षक दिन का समारोह प्रारंभ हुआ। इस समारोह की अध्यक्षता पूर्व शिक्षा मंत्री अनरीश पटेल जी ने की। सरस्वती वंदना के बाद विद्यालय के मुख्याध्यापक ने अध्यक्ष महोदय का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। समारोह के संचालक विनय जी ने अध्यक्ष महोदय का संक्षिप्त परिचय दिया। इसके बाद अध्यक्ष जी ने डॉ राधाकृष्णन की तस्वीर को पुष्पमाला पहनाई। इसके बाद अध्यक्ष महोदय व अन्य वक्ताओं ने शिक्षक की महत्त्व और कर्तव्य पर प्रकाश डाला। विद्यालय के कुछ विद्यार्थियों ने "गुरु-महिमा" नामक एक एकांकी की प्रस्तुत की अंत में सभी विद्यार्थियों की ओर से प्रत्येक शिक्षक को पुष्पगुच्छ और एक तोफा भेंट किया गया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री प्रकाश पांचाल जी ने अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। राष्ट्रगीत के साथ समारोह समाप्त हुआ।

x – x

School : Hansraj Morarji Public School
Name Farhaan Javed Deshmukh
Class X C Sub Hindi (Entire)
Roll No 802 Date 22/11/2021

वृत्तांत-लेखन

नवजीवन विद्यालय में शिक्षक-दिन का शानदार समारोह

(कार्यालय - प्रतिनिधी द्वारा)
सुलतानपुर, ६ सितंबर २०२१

सुलतानपुर, ५ सितंबर, २०२१ यहाँ के नवजीवन विद्यालय डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् का जन्मदिवस 'शिक्षक-दिन' के रूप में मनाया गया।

पाठशाला के सभागृह में शिक्षक-दिन समारोह का आयोजन सुबह दस बजे किया गया था। इस समारोह की अध्यक्षता जयहिंद कॉलेज के प्राचार्य श्री चतुर्वेदजी ने की। सभागृह को पिले और सफेद फूलों तथा रोशनी से सजाया गया था। सरस्वती-वंदना के बाद विद्यालय के उप-प्राचार्य जी पांडे जी ने पुष्पगुच्छ देकर अध्यक्ष महोदय का स्वागत करते हुए उनका संक्षिप्त परिचय दिया।

इसके बाद चतुर्वेदजी ने मंच पर रखे डॉ. राधाकृष्णन् के चित्र को पुष्पहार पहनाया। तत्पश्चात् अध्यक्ष महोदय, आचार्य महोदय तथा अन्य व्यक्तियों ने शिक्षक की महिमा और कर्तव्य पर प्रकाश डाला। पाठशाला के छात्रों ने 'गुरु महिमा' नामक एकलघु नाटिका प्रस्तुत की।

विद्यार्थियों की ओर से प्रत्येक शिक्षक को पुष्पगुच्छ एक शाल तथा श्रीफल भेंट किया गया। निरीक्षक श्री सत्यदेव दुबे ने अध्यक्ष महोदय एवं आमंत्रित लोगों के प्रति आभार प्रकट किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

RAJGURU EXAM GOLD

BOMBAY CAMBRIDGE INTERNATIONAL SCHOOL
ANDHERI (W)

BCG

BOMBAY CAMBRIDGE SCHOOL
ANDHERI (W)

... Where Every Child Matters
ISO 21001:2018 certified

Ref. No.BCW/MNG/CRS-EC-043/21-22

Date: 22/11/2021

TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

This is to certify that Ms.Uma Dhere had guided our students appearing for S.S.C board exam in time of COVID-19 with valuable subject related inputs.

It helped students to understand writing skills and grammar concepts. Students were able to score well in Hindi subject with her guidance.

Ms. Poonam Arora
(Principal)
PRINCIPAL
BOMBAY CAMBRIDGE
INTERNATIONAL SCHOOL
ANDHERI (WEST)

Cambridge Assessment International Education
Cambridge International School

Caesar Road, Andheri (West), Mumbai 400058
Tel. No. 26771044/ 26771219
www.bciswest.org westbcs@bciswest.org

Phone : 0251-6464465

I.E.S. CHANDRAKANT PATKAR VIDYALAYA
English Medium - Secondary School
(Reg. No. 2/98-99/22970/76/Dt. 22-7-98) (Index No. 16.17.032)
E-mail : cpv.secondary.english@ies.edu ● Website : www.ies.edu/cpvsecondary
Chandrakant Patkar Vidyalaya Road, Dombivli (East) 421 201.

Ref. No. : IES/CPV/S/199/21-22 Date : 18.11.2021

प्रति,
उमा हेरे,
सहायक शिक्षिका,
हंसराज मोरारजी पब्लिक स्कूल
मुंबई.

विषय: कौतुक पत्र

माननीय महोदया,

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक उच्च माध्यमिक शालांत परीक्षेसाठी प्रविष्ट असलेल्या विद्यार्थ्यांसाठी Covid 19 च्या काळात विशेष मार्गदर्शन श्रीमती उमा हेरे यांनी दिले. लेखन कौशल्य व व्याकरण सारखा विषय असून अत्यंत सुलभ भाषेत विद्यार्थ्यांना समजून सांगितल्यामुळे मुलांना त्याचा बराच फायदा झाला. यामुळे माध्यमिक परीक्षेत (स्पर्धा) मुलांना हिंदी विषयात चांगले गुण प्राप्त होण्यास मदत होईल.

कळावे,

आपली विश्वासू

(श्रीमती नम्रता तावडे)
Head Mistress
IES Chandrakant Patkar Eng. Med. Secondary School

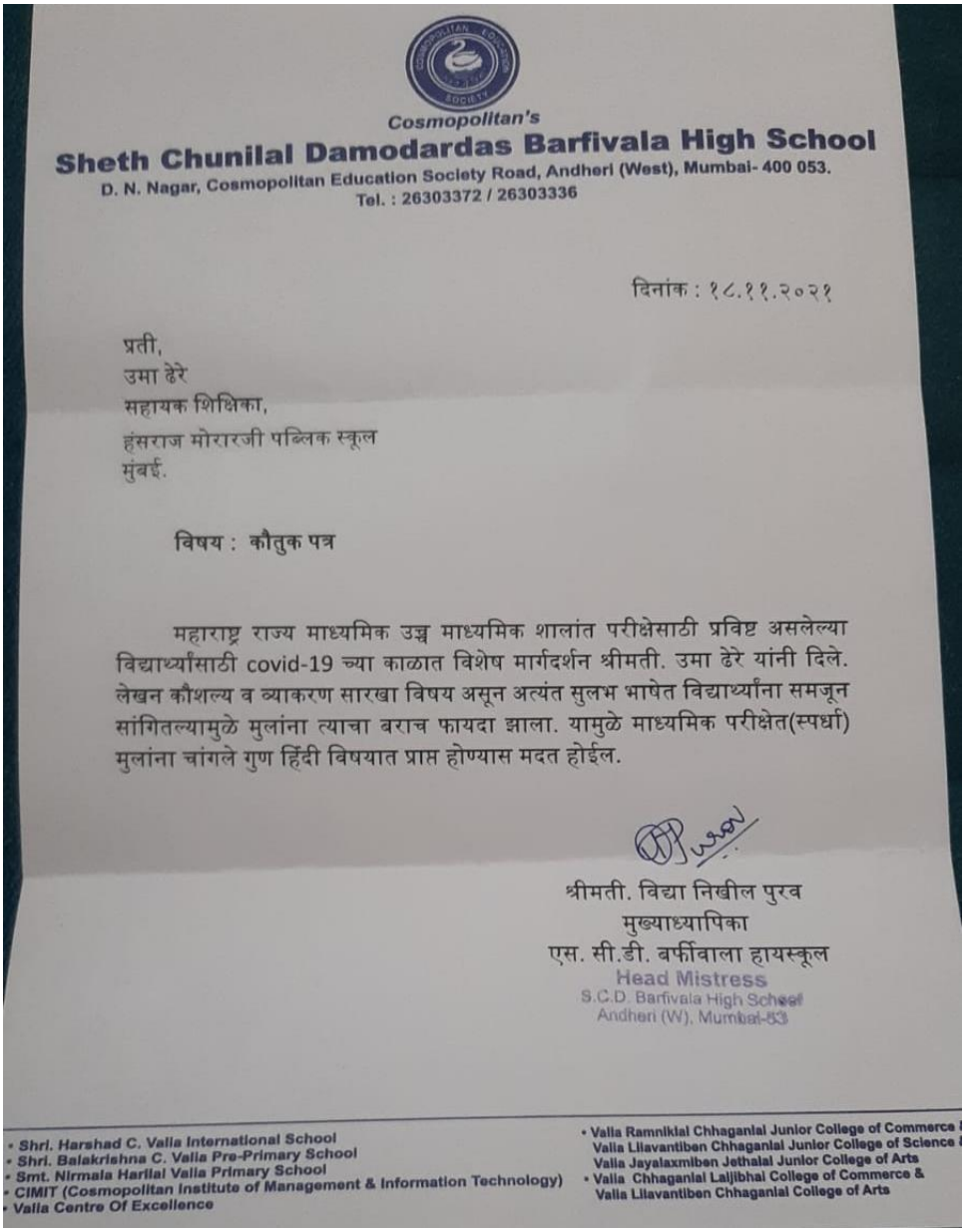

Cosmopolitan's
Sheth Chunilal Damodardas Barfivala High School
D. N. Nagar, Cosmopolitan Education Society Road, Andheri (West), Mumbai- 400 053.
Tel. : 26303372 / 26303336

दिनांक : १८.११.२०२१

प्रती,
उमा ढेरे
सहायक शिक्षिका,
हंसराज मोरारजी पब्लिक स्कूल
मुंबई.

विषय : कौतुक पत्र

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक उच्च माध्यमिक शालांत परीक्षेसाठी प्रविष्ट असलेल्या विद्यार्थ्यांसाठी covid-19 च्या काळात विशेष मार्गदर्शन श्रीमती. उमा ढेरे यांनी दिले. लेखन कौशल्य व व्याकरण सारखा विषय असून अत्यंत सुलभ भाषेत विद्यार्थ्यांना समजून सांगितल्यामुळे मुलांना त्याचा बराच फायदा झाला. यामुळे माध्यमिक परीक्षेत(स्पर्धा) मुलांना चांगले गुण हिंदी विषयात प्राप्त होण्यास मदत होईल.

श्रीमती. विद्या निखील पुरव
मुख्याध्यापिका
एस. सी.डी. बर्फीवाला हायस्कूल
Head Mistress
S.C.D. Barfivala High School
Andheri (W), Mumbai-53

• Shri. Harshad C. Valia International School
• Shri. Balakrishna C. Valia Pre-Primary School
• Smt. Nirmala Harilal Valia Primary School
• CIMIT (Cosmopolitan Institute of Management & Information Technology)
• Valia Centre Of Excellence

• Valia Ramniklal Chhaganlal Junior College of Commerce
Valia Lilavantiben Chhaganlal Junior College of Science
Valia Jayalaxmiben Jethalal Junior College of Arts
• Valia Chhaganlal Laljibhai College of Commerce &
Valia Lilavantiben Chhaganlal College of Arts

सारांश लेखन

नवोपक्रम - 'आनंददायी अनुभवों द्वारा भाषिक कौशल्य विकास (वृत्तांत लेखन)"

शैक्षिक वर्ष २०२१-२२ के लॉकडाउन के दूसरें वर्ष भी ऑनलाइन शिक्षा पद्धति जारी थी। शिक्षार्थियों का उपयोजित लेखन में सुधार हो, उनकी वैचारिक क्षमता बढ़े, भाषिक कौशल्य का विकास हो साथ ही १० वीं की बोर्ड परीक्षा में उन्हें अच्छे अंक प्राप्त हो इसलिए Video's, PPT, विवध खेल, पत्रकारों से साक्षात्कार आदि शैक्षिक साहित्यों का उपयोग कर शिक्षार्थियों को फिर से शिक्षा प्रणाली में लाया। अध्ययन अध्यापन कार्य भयमुक्त, आनंददायी बनाया। भाषा शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ाकर शिक्षार्थियों को भविष्य में अर्थाजन का मार्ग दिखलाकर उसमें प्रवीणता हासिल करने में मार्गदर्शन किया।

इस प्रकार 'आनंददायी अनुभवों द्वारा भाषिक कौशल्य विकास" नवोपक्रम न केवल अपने विद्यालय बल्कि मुंबई के अन्य विद्यालयों के शिक्षार्थियों के लिए भी प्रयोग किया गया और उत्साहवर्धक परिणाम मिले। इस प्रयोग में शिक्षार्थियों की सहभागिता बराबर की रही इसलिए जहाँ उनका उत्साहवर्धन हुआ वही ज्ञानरचनावाद का उपयोग कर भाषिक कौशल्य विकसित किए गए।

इस नवोपक्रम का उपयोग भविष्य में भी किया जाए तो भी इसके अच्छे ही परिणाम प्राप्त होंगे ऐसा मुझे विश्वास है।

❖❖❖❖